बरेली, शनिवार
4 सितंबर, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

Page No. II : Top

बरेली में रिद्धिमा ने सहेजे वाद्य यंत्र, नई पीढ़ी को संगीत से जोड़ेंगे

हुनर और साज को नई 'आवाज'

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में 98 वाद्य यंत्रों का किया गया है संग्रह

जागरण संवाददाता, बरेली: बंगाली पूजा में प्रयोग होने वाला ढोलकनुमा गुबगुबा हो या साज छेड़ने वाली कश्मीरी सारंगी...कम लोग इन वाद्य यंत्रों के बारे में जानते हैं। देश के अलग क्षेत्रों के संगीत को सजाने वाले साज शहर में एक ही स्थान पर संग्रहित किए गए हैं। मकसद है कि युवा इनके बारे में जान सकें।

क्लासिकल संगीत में दोबारा दम भरने के लिए काम कर रही श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा संस्था ने ऐसे 98 वाद्य यंत्रों का संग्रह किया है। इसमें केरल, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों से वाद्य यंत्र खरीदकर लोगों को दिखाने के लिए रखे गए हैं। इनमें जोगी सारंगी, रावण हत्था, अलगोजा, इकतारा, विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, मयूरी वीणा, सुरबहार, दिलरुबा, पखावज, मृदंग, गोपीचंद, कश्मीरी सारंगी, संतूर, सारिंदा आदि वाद्ययंत्र शामिल हैं।

ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति कहते हैं कि लोक कला-क्लासिकल म्यूजिक में काम आने वाले वाद्य यंत्रों में दिलचस्पी होने पर प्रदेश में कई देखने गए मगर, कहीं संग्रहालय नहीं मिला। जिसके बाद अपने शहर में इसे बनाने की तैयारी की। अलग प्रदेशों से वहां के वाद्य यंत्रों की खरीद कराई गई। कोशिश है कि म्यूजियम में उन वाद्य यंत्रों को शामिल किया जाए, जो विलुप्त होते जा रहे। युवा इन्हें देखें, समझें और उपयोग के लिए प्रेरित हों। आने वाले समय में प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराएंगे।

एसआरएमएस रिद्धिमा में बने संगीत वाद्य यंत्र संग्रहालय में कैराना घराने के मुकेश मिश्रा सारंगी बजाते हुए, उनके पास खड़े शिव शंभू कपूर, आदित्य मूर्ति, आशीष कुमार व कुंवर पाल (क्रमशः बाएं से) ● जागरण

रिद्धिमा को मिली इंदिरा कला संगीत विवि की मान्यता

रिद्धिमा को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) से मान्यता मिल गई है। इसमें यहां संचालित गायन, वादन, फाइन आर्ट्स, कथक, भरतनाट्यम को चार वर्ष की मान्यता दी गई है। सेंटर हेड आशीष कुमार ने बताया कि 18 और 19 सितंबर को दूसरी अखिल भारतीय पेंटिंग प्रतियोगिता होगी। जिसमें 10 से 16 वर्ष, 17 से 22 वर्ष और 22 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। उनकी बनाई पेंटिंग्स आर्ट गैलरी में प्रदर्शित की जाएंगी।

दिल्ली, मुंबई की टीमें इंद्रधनुष थिएटर फेस्ट में करेंगी प्रदर्शन

इंद्रधनुष थिएटर फेस्ट 9 से 14 नवंबर के बीच होगा। इसमें प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली और मुंबई से टीमें आएंगी। इससे पहले यहां 19 से 24 अक्टूबर के बीच थिएटर वर्कशाप भी आयोजित की जा रही है। यह वर्कशाप आधुनिक थिएटर की जननी के रूप में पहचान रखने वाली भारतेंदु नाट्य एकेडमी की चित्रा मोहन के निर्देशन में होगी। इसमें 16 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग शामिल हो सकेंगे। इसे फाउंडेशन, इंटरमीडिएट, एडवांस और प्रोडक्शन कोर्स जैसे चार पाठ्यक्रमों में बांटा गया है। इसमें पर्सनालिटी डेवलपमेंट के साथ ही संबंधित कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में शामिल होने वाले बच्चों को यहां पर परफार्म करने का भी अवसर मिलेगा।